सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 306 | जौनपुर, शुक्रवार, 02 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूसीसी बिल लाने की तैयारी में भजनलाल

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) या सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत मामलों के लिए कानूनों का एक सामान्य सेट लागू करने के लिए एक कानून बनाने पर विचार कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को विधायक कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में राज्य विधानसभा को बताया कि मामला सरकार के विचाराधीन है। इस मुद्दे के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के बाद, सरकार उचित समय पर विधेयक लाएगी। उत्तराखंड यूसीसी के लिए कानून पारित करने वाला पहला राज्य बन गया। असम जैसे अन्य भाजपा शासित राज्यों ने यूसीसी को लागू करने का वादा किया है, जो भाजपा के तीन वैचारिक वादों में से एक है। संविधान का अनुच्छेद 44, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में से एक, यूसीसी की वकालत करता है।

सीएम बीरेन सिंह ने पेश किए मणिपुर हिंसा के आंकड़े

मणिपुर, एजेंसी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि मई 2023 से राज्य में जारी हिंसा के कारण 226 लोगों की मौत हो गई है और 39 लोग लापता हैं, जबकि 59,414 लोग (मंगलवार तक) राहत शिविरों में हैं। हिंसा के संबंध में 11,133 घरों को आग लगा दी गई है और विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 11,892 मामले दर्ज किए गए हैं। संकट के जवाब में राज्य सरकार ने विस्थापित आबादी को आश्रय देने के लिए 302 राहत शिविर स्थापित किए हैं। कांग्रेस विधायक के मेघचंद्र के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री बीरेन ने कहा कि 5,554 किसानों की कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिससे उनकी आजीविका खतरे में पड़ गई है। कृषि घाटे की मान्यता में, 3,483 प्रभावित किसानों को 18.91 करोड़ रुपये का फसल मुआवजा जारी किया गया है। स्थायी आवास योजना के तहत 798 लाभुकों को पक्का मकान बनाने के लिए 21.68 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है।

संसद में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक पेश करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को केरल की वायनाड में हुई त्रासदी को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पेश करेंगे। इस

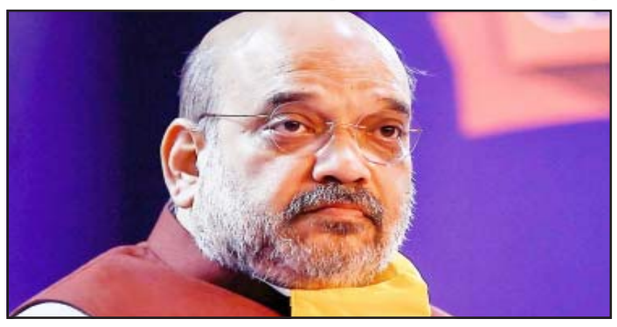

संशोधन विधेयक के जरिए सरकार आपदा प्रबंधन विधेयक 2005 में अहम बदलाव करना चाहती है। जिससे केरल के वायनाड में हुई भूस्खलन जैसी घटनाओं के बाद कम समय में ज्यादा प्रभावी तरीके से लोगों तक मदद पहुंचाई जा सके। बुधवार को लोकसभा में नियम 197 के अंतर्गत इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने इस संशोधन बिल को लाने की जानकारी दी थी। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सीमा शुल्क अधिनियम 1975 की धारा 8ए संशोधन विधेयक पेश करेंगी। साथ ही लोकसभा में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) की परिषद के लिए दो सदस्यों के चुनाव का प्रस्ताव पेश करेंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद के लिए दो सदस्यों के चुनाव का प्रस्ताव पेश भी आज ही पेश करेंगे। बता दें केरल के वायनाड में मंगलवार को आए भीषण भूस्खलन में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, कई लोग अब भी इस आपदा में फंसे हुए हैं। सशस्त्र बलों के अलावा तटरक्षक बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई हैं। लापता लोगों को हेलिकॉप्टर की मदद से ढूंढा जा रहा है।

बादल फटने के बाद पीएम मोदी खुद कर रहे मानिटरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में कुदरत का कहर देखने को मिला है। मंडी, शिमला और कुल्लू में भारी बारिश और बादल फटने से काफी जान–माल का नुकसान हुआ है। कई घर और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई। इसी बीच हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटने के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं और करीब से पैनी नजर रख रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने शीर्ष अधिकारियों से प्रभावितों को हर संभव मदद सुनिश्चित करने को भी कहा है। पीएम मोदी के निर्देश के बाद यहां राहत कार्य जोरों से चल रहा है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर बात कर वहां के हालात की जानकारी ली। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्आज हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बादल फटने के कारण हुए भारी नुकसान से आम जनजीवन प्रभावित होने का दुखद समाचार मिला। लगातार हो रहे प्राकृतिक आपदाओं के संदर्भ में राज्य के

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर विस्तृत बात कर जानकारी प्राप्त की और प्रधानमंत्री मोदी के सरकार की तरफ से हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राजीव बिंदल और भाजपा कार्यकर्ताओं से इस संकटपूर्ण समय में प्रदेशवासियों को मदद पहुंचाने की अपील की। पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने सोशल मीडिया पर लिखा, बीती रात भारी बारिश के कारण जिला मंडी के थलटूखोड़ के समीप राजमण गांव में जानमाल की क्षति और निरमंड के अंतर्गत समेज, बागीपुल क्षेत्रों में कई भवन एवं मकान बहने तथा कई लोगों के लापता होने वाली खबर सुनकर मन बहुत दुखी है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा लापता लोग सकुशल हों। दुःख की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा हूं। राज्य सरकार से भी मेरा निवेदन है कि कल रात पूरे प्रदेश में हुई भारी बारिश के कारण हो रही तबाही में घटना स्थलों पर युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य करवाएं। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि राज्य में 50 लोग लापता हैं और 2 लोगों के शव बरामद हुए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। सुबह से रेवेन्यू मंत्री मेरे साथ संपर्क में हैं। अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई है।

हम रील बनाने वाले नहीं, कड़ी मेहनत करने वाले लोग - रेल मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में बोलते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम वो लोग नहीं हैं जो रील बनाते हैं, हम आप लोगों के विपरीत कड़ी मेहनत करते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोको पायलटों के औसत कामकाज और आराम का समय 2005 में बनाए गए एक नियम से तय होता है। उन्होंने कहा कि 2016 में नियमों में संशोधन किया गया और लोको पायलटों को अधिक सुविधाएं दी गईं। सभी रनिंग रूम–558 को वातानुकूलित बनाया गया। दरअसल, रेल मंत्री लोको पायलट को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि लोको कैब बहुत अधिक कंपन करती हैं, गर्म होती हैं और इसलिए 7,000 से अधिक लोको कैब वातानुकूलित हैं। यह उन लोगों के समय में शून्य था जो आज रील बनाकर सहानुभूति दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे में भर्ती की बात करें तो 2004 से 2014 तक यूपीए के कार्यकाल में रेलवे में

सिर्फ 4 लाख 11 हजार कर्मचारियों की भर्ती हुई थी, जबकि 2014 से 2024 तक – एनडीए के 10 साल में यह संख्या 5 लाख 2 हजार तक पहुंच जाती है। उन्होंने आगे कहा कि वर्षों से क्या मांग हो रही थी – रेलवे भर्ती के लिए एक वार्षिक कैलेंडर हो, हमने इसे जनवरी 2024 में घोषित किया है। उन्होंने दावा किया कि रेलवे में जाने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले युवाओं के लिए अब साल में 4 बार जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में वैकेंसी निकलती है। अब भी 40,565 रिक्तियां विज्ञापित हैं जिन्हें भरा जाना है। झारखंड में नवीनतम ट्रेन दुर्घटना के बाद विपक्षी दलों ने मंगलवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से कई रेल दुर्घटनाओं के बाद जवाबदेही तय करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने को कहा। पूर्व रेल मंत्री बनर्जी ने ट्वीट किया, ष्मैं गंभीरता से पूछती हूंरू क्या यह शासन है? लगभग हर हफ्ते बुरे सपने की यह श्रृंखला, रेलवे पटरियों पर मौतों और चोटों का यह अंतहीन सिलसिला हम इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे? क्या भारत सरकार की संवेदनहीनता का कोई अंत नहीं होगा?

भारत अपडेट न्यूज चौंनल में रेजिडेंट एडिटर बनने पर डा. वरुण उपाध्याय को बधाइयां देने वालों का लगा तांता

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। भारत अपडेट टी.वी. न्यूज चौनल में रेजिडेंट एडिटर बनने पर डॉ वरुण उपाध्याय को मीडिया जगत की हस्तियों ने बधाई दी है। इष्ट–मित्रों, परिवार रिश्तेदारों ने खुशी जाहिर की है। उत्तर प्रदेश में रहने वाले उनके परिचितों ने फोन करके फेसबुक के माध्यम से बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। परिजन ने परिवार के लिए के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। रिश्तेदारों ने कहा वरुण बचपन से ही होनहार और मेधावी रहे। शिक्षकों ने कहा कि डॉ वरुण उपाध्याय की लेखन में बहुत रुचि थी, अध्ययन के साथ–साथ पिस्टल शूटिंग, कुकिंग, क्रिकेट, फिल्म देखना आदि अनेक अभिरुचि थीं।काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान रहे मित्रों ने कहा कि डॉ. वरुण उपाध्याय ने पीएचडी की और पीडीएफ भी किया। वह चाहते तो किसी महाविद्यालय के प्राचार्य बन सकते थे, लेकिन उनकी रुचि मीडिया जगत में थी वह जहां भी रहेंगे अच्छा ही करेंगे और सदैव ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे। डॉ वरुण उपाध्याय ने 10 माह तक सरकारी सेवा भी किया परंतु मन ना लगने के कारण त्यागपत्र दे दिया। बचपन के मित्रों ने कहा कि समाज सेवा में अधिक रुचि रखते थे, लोगों की भलाई करने से नहीं चूकते थे। परोपकार की भावना परिवार से विरासत में मिली। सेवा भावना के कारण ही ऊंचाइयां प्राप्त कर रहे हैं।डॉ वरुण उपाध्याय ने पूर्व में न्यूज वन इंडिया, इंडिया न्यूज और दैनिक भास्कर वाराणसी संस्करण के संपादक के पद पर कार्य किया है। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले खबरों और क्राइम स्टोरी को लेकर हमेशा चर्चा में बने रहे। देश की उपासना समाचार पत्र परिवार ने भी वरूण उपाध्याय को बधाई एवम शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष की जाए – राघव चड्ढा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को देश में चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और 50 प्रतिशत 25 वर्ष से कम उम्र की है। जब आजादी के बाद पहली लोकसभा चुनी गई थी, तब 26 प्रतिशत सदस्य 40 वर्ष से कम उम्र के थे, और जब दो महीने पहले हमारी 17वीं लोकसभा चुनी गई थी, तब केवल 12 प्रतिशत सदस्य 40 वर्ष से कम उम्र के थे। हमारा देश पुराने राजनेताओं वाला एक युवा देश है। हमें युवा राजनेताओं वाला एक युवा देश बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया, ष्मेरा भारत सरकार के लिए एक सुझाव है कि चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष की जानी चाहिए। चड्ढा ने एक्स पर लिखा, ष्आज संसद में मैंने मांग की कि देश में चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष की जाए। कृपया मेरी दिल से की गई अपील सुनें। पिछले साल अगस्त में संसद की एक स्थायी समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु घटाकर 18 वर्ष करने की सिफारिश की थी, ताकि इसे देश में मतदान की आयु के अनुरूप बनाया जा सके।

भाजपा का बुलडोजर अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। दिवंगत पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव में प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति के चल रहे निर्माण पर यह कार्यवाही हुई है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, श्अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान–मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान–सम्मान पर भी चलने लगा है। चिल्लूपार के सात बार विधायक रहे उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री हरिशंकर तिवारी जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। निंदनीय! इससे पहले दिवंगत हरिशंकर के बेटे और पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि यह राजनैतिक अराजकता है, प्रशासनिक गुंडई है या सत्ता का अहंकार, नीचता निकृष्टता की पराकाष्ठा या व्यक्तिगत शत्रुता ब्राह्मण, स्वाभिमान को चुनौती या समूची इंसानियत की हत्या, यह निर्णय समय पर चिल्लूपार विधानसभा के लोग तो करेंगे ही देश और प्रदेश के निवासियों को भी करना है। उन्होंने लिखा कि लगातार चिल्लूपार से सात बार विधायक और सन 1996 से 2007 तक उत्तर प्रदेश की भिन्न–भिन्न सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे सम्मान व स्वाभिमान के प्रतीक स्व. पण्डित हरि शंकर तिवारी के जन्म दिवस 5 अगस्त को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का मन बनाकर मेरे गांव

टाड़ा के ग्राम प्रधान और ग्राम प्रबंधा समिति के लोगों ने गांव के मुख्य द्वार का नामकरण उनके नाम पर करने और वहीं बगल में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। विधिक रूप से प्रस्ताव बनाकर उसे स्वीकृति के लिए उपजिलाधिकारी तहसील गोला को भेजा गया और अपनी तैयारी में लग गए। स्व. पंडित हरिशंकर तिवारी के कद पद प्रतिष्ठा सम्मान के अनुरूप उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए गांव के लोगों के अलावा अन्य कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति होनी है। स्वाभाविक रूप से इस आयोजन को एक भव्य स्वरूप देने की तैयारी चल रही थी। अचानक 31 जुलाई को मूर्ति स्थापना के लिए बने चबूतरे को ढहाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल के साथ बुलडोजर वाली सरकार बुलडोजर के साथ पहुंची और चबूतरे को ढहा दिया।

अब आप इसे क्या कहेंगे। जिस व्यक्ति को मृत्योपरांत गॉड ऑफ ऑनर देकर इसी सरकार में सम्मानित किया गया हो, जो व्यक्ति कल्याण सिंह की सरकार में भी उनका सहयोगी मंत्री रहा हो। जिस व्यक्ति को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के सानिध्य में भी सम्मान मिलता रहा हो। मुलायम सिंह यादव, मायावती की सरकारों ने भी जिन्हें कैबिनेट मंत्री बनाकर लगातार सम्मानित किया हो और जो ब्राह्मण अस्मिता के पर्याय रहे हों।

खटाखट करने वालों को 2027 में सफाचट कर देंगे – योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में सपा–कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इन लोगों ने देश की जनता को ठगने का काम किया है। इन लोगो ने संविधान बदलने की बात कहकर जनता को गुमराह किया है लेकिन काठ की हांडी बार–बार नहीं चढ़ती है। 2027 के चुनाव में खटाखट करने वालों को हम सफाचट कर देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार को 10 साल हो गए लेकिन आज तक संविधान नहीं बदला गया। सपा–कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को गुमराह किया है। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र को कुचला था। आज सपा के लोग उन्हीं के साथ मिलकर संविधान बचाने की बात कर रही है। इसका जवाब 2027 में मिलेगा। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को विधानसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सदन में पेश किए गए 12 हजार 209 करोड़ के अनुपूरक बजट पर चर्चा की और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कहा कि ये बजट यूपी के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। इस वर्ष पेश किए गए मूल बजट की 40 प्रतिशत राशि को अलग–अलग विभागों के लिए आवंटित कर दिया गया है। वहीं, 20 प्रतिशत खर्च हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यूपी की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ी है और प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक हुआ है। 2017 के पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था पर अब प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है यही कारण है कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिसमें से 16 से 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारने में हमें सफलता प्राप्त हुई। इससे प्रदेश में सात लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक नए भारत का दर्शन कराया है। बीते 10 वर्षों में देश की प्रतिव्यक्ति आय और जीडीपी बढ़ी है। 2014 के पहले

भारत विश्व की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था जो कि अब विश्व में पांचवे स्थान पर आ गया है। आगे आने वाले तीन वर्षों में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उत्तर प्रदेश का देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रमुख योगदान हो इसके लिए हम लगातार कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि भारत की विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में यूपी का बड़ा योगदान होगा।

कानून–व्यवस्था को लेकर सपा पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री योगी ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी सपा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या में एक 12 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में मोईद खान को गिरफ्तार किया गया है वह सपा का नेता है। ऐसे लोगों को भुगतना होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहां पर नौकरी करने के लिए नहीं आया हूं और न ही प्रतिष्ठा के लिए आया हूं। इससे ज्यादा प्रतिष्ठा तो मठ में थी। जो लोग अपराध करते हैं उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

गोमती नगर की घटना पर इन पर सख्त कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ के गोमती नगर में युवती से हुई अभद्रता पर कहा कि महिला सुरक्षा हमारे लिए प्राथमिकता सूची में है। उन्होंने आरोपियों का नाम लेते हुए कहा कि इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

पारदर्शी होगी सिपाही भर्ती परीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत में 60 हजार पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा 10 चरणों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा पारदर्शी होगी। हम किसी को भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। पेपर लीक करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

बृहस्पतिवार को विधान परिषद में प्रश्न प्रहर के साथ सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई। कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा भी किया। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा में हरिशंकर तिवारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने गोरखपुर में मूर्ति के लिए बन रहा फाउंडेशन तोड़वा दिया। इस पर सपा सदस्यों ने हंगामा किया।

संपादकीय

वायनाड भूस्खलन त्रासदी

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा गत् वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और उसके बाद दक्षिण में केरल को दूसरे नंबर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। दरअसल, इस मानचित्र में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिए संवेदनशील बताए गए थे, जबकि उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 में से 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और बायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था। इसरो द्वारा किए गए उस वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो देख ही चुके थे लेकिन अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाइ की प्रातः सामने आ गई।

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी और भयावह परिणाम

अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पर्यावारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों को इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें।

वनावरण के ह्रास का नतीजा है वायनाड त्रासदी

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की वन स्थिति रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। विभाग की नवीनतम 2021 की रिपोर्ट में सघन वनों को अति सघन और सामान्य सघन वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति संघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाए गए हैं। नवीनतम् रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाए तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गए। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गए और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है इसीलिए हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माना गया है।

केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16, 959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति संघन, 7212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7212 वर्ग किमी खुले वन है। वनों को ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है।

केरल में भूस्खलन त्रासदियों का लम्बा इतिहास

वायनाड का नवीनतम् भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिए प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिए मानवीय कारण कम जिम्मेदार नहीं हैं। राज्य में सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान–माल का नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।

समुद्र का पड़ोस अतिवृष्टि का कारण

केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य–भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही है। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या का केन्द्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न को बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय गतिविधियों या प्राकृतिक घटनाओं के कारण प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बढ़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं।

संविधान की नौवीं अनुसूची और आरक्षण

पंकज

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण संबंधी मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है।घबिहार सरकार ने शीर्ष अदालतघ्में दावा किया था कि राज्य द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण ने 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा को तोड़ने के लिए आवश्यक सामाजिक परीक्षण मापदंडों को पर्याप्त रूप से संतुष्ट किया है। पटना हाईकोर्ट ने 20 जून को बिहार पदों और सेवाओं में रिक्तियों के आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार आरक्षण (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) संशोधन अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को स्वीकार कर लिया था और दोनों कानूनों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव के खिलाफ अधिकार) और 16 (रोजगार में भेदभाव के खिलाफ अधिकार) का उल्लंघन माना था। संविधान के अनुच्छेद 15(4) में, 'नागरिकों के किसी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों वघ्अनुसूचित जनजातियों की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान' करने का अधिकार दिया। अनुच्छेद 15 और 16 में महत्वपूर्ण शब्द श्केवलश है–जिसका अर्थ है कि यदि कोई धार्मिक, नस्लीय या जाति समूह अनुच्छेद 46 के तहत 'कमजोर वर्ग' का गठन करता है, तो वह अपनी उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों का हकदार होगा। इस विशेष प्रावधान का अर्थ मुख्यतः आरक्षण है। देश में आरक्षण को लेकर अक्सर विवाद होता रहा है। इसलिए कई राजनीतिक दल आरक्षण पर बार–बार होने वाले विवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए आरक्षण संबंधी सभी कानूनों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। बिहार में 65 फीसदी/आरक्षण, ऐतिहासिक इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ के फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है। हालांकि, किसी कानून को नौवीं अनुसूची में रखने से उसे न्यायिक जांच से बचाया जा सकता है। तमिलनाडु पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) अधिनियम, 1993, कॉलेजों और राज्य सरकार की नौकरियों में 69 प्रतिशत सीटें आरक्षित करता है। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहां पर सबसे अधिक 69 प्रतिशत आरक्षण है और यह व्यवस्था संविधान की नौवीं अनुसूची का हिस्सा है। 20वीं सदी की शुरुआत में उभरा द्रविड़ आंदोलन प्रभुतासंपन्न समुदाय के खिलाफ शक्तिशाली भूमिधारक वर्गों का था, जो सत्ता के ज्यादातरघ्पदों पर काबिज थे। पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन को लगा कि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए, पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने विभिन्न दलोंघ्के साथ मिलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और

अंततः आरक्षण प्राव धान को नौवीं अनुसूची में शामिल करवाया। हालांकि वर्ष 2007 में नौवीं अनुसूची को भी चुनौती दी गई (आई आर कोएलो बनाम तमिलनाडु राज्य), लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मति से नौ न्यायाधीशों के आधार पर फैसला सुनाया कि नौवीं अनुसूची के तहत रखे गए कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन उन्हें संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करने के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। नौवीं अनुसूची में केंद्रीय और राज्य कानूनों की सूची है, जिन्हें अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती। वर्तमान में 284 कानून न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 58 प्रतिशत आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए राज्य में 72 प्रतिशत का दायरा बढ़ाया था। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में उच्च कोटा प्रदान करने वाले दो संशोधन विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। ऐसे ही झारखंड सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित किया था, जो राज्य में रिक्त सरकारी पदों और सेवाओं में आरक्षण बढ़ाकर 77 प्रतिशत करने से संबंधित था। हालांकि, यह भी विधेयक लागू नहीं हो सका और झारखंड के मुख्यमंत्री ने केंद्र से सिफारिश कि इस विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करें। आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू होने के बाद आरक्षण नीतियों पर एक नई तरह की बहस शुरू हो गई है, जैसे आरक्षण का दायरा खत्म करना और ईडब्ल्यूएस को जाति तटस्थ बनाना तथा सभी जातियों व वर्गों को इसमें शामिल करना आदि। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो देश में कई तरह के सामाजिक व राजनीतिक संघर्ष पैदा हो जाएंगे, इसलिए केंद्र सरकार को इस विषय पर सोचने की जरूरत है।

जीईपी से पता चलेगा विकास की दौड़ में कितना खोया

अनिल

हाल के समय में देश और दुनिया में करीब 86 फीसदी लोगों ने प्रचंड गर्मी को झेला। इस गर्मी के पीछे समुद्र का बढ़ता तापमान और उसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग सबसे बड़ा कारक है। बीती 22 जुलाई अब तक का दुनिया का सबसे गर्म दिन था। समस्या यह है कि सही समय पर मौसम के मिजाज का पता नहीं चलता। और सबसे बड़ी बात यह है कि कब कहां किस रूप में बारिश हो जाए और कहां बाढ़ आ जाए और कब तूफान घेर ले, अब यह सब कुछ नियंत्रण से बाहर चला गया है। दरअसल, जीडीपी की दौड़ में कोई भी देश पीछे नहीं छूटना चाहता। जाहिर है कि जब–जब प्रकृति और पर्यावरण के सवाल खड़े होते हैं, तो सभी देशों का यही मानना होता है कि हम अपने हिस्से का विकास कैसे त्याग दें, जब दुनिया के बड़े–बड़े देश कहीं बेहतर स्थिति में खड़े हैं। विकास अपनी जगह है, लेकिन समस्या यह है कि देश–दुनिया की सरकारों ने कभी भी ऐसा लेखा–जोखा नहीं दिया, जिससे पता चले कि कितना खोया और कितना जोड़ा। उल्लेखनीय है कि हम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तर्ज पर सकल पर्यावरण उत्पाद (जीईपी) जैसे सूचकांक को लाकर समझ सकते हैं कि हमको पर्यावरण को सुरक्षित करने की दिशा में अभी कितना कार्य करना चाहिए। अमेरिका के एक मिस्टर साइमन थे, जिन्होंने 1935 से 40 के बीच में जीडीपी का विचार दिया था और उनका मानना यह था किध्आर्थिक वृद्धिघ्तथा विकास को मापने का बेहतर मापदंड जीडीपी है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि इसको संपूर्ण सूचक न माना जाए। उनका इशारा साफ था कि जीडीपी प्रकृति के हालात की सूचक नहीं हो सकती। 2010 में एक विचार उठा कि सरकारें जंगल जोड़ने और हवा–मिट्टी–पानी को बेहतर करने के लिए भी कटिबद्धघ्हैं और वे ऐसा करती भी हैं, लेकिन वह कितनाघ्कर पाईं,घ्उसका कोई सामूहिक सूचक भी नहीं है। शुरुआत में सभी ने इस मुद्दे पर रुचि दिखाई, लेकिन बाद में सब ठंडे पड़ गए। 2013 में केदारनाथ त्रासदी ने सबको झकझोर दिया, और उत्तराखंड के पर्यावरण को लेकर देश भर में चर्चाएं होने लगीं। तब राज्य केघ्तत्कालीन मुख्यमंत्री ने जीईपी को लेकर बैठक कर इसे सरकारी स्वीकार्यता प्रदान की।घ्शुरुआती दौर में इसके लिए एक तरफघ्सरकार ने कमेटी बनाई, जिसमें प्रमुख शोध संस्थाओं के निदेशकों के साथ डॉ.घ्आरके पचौरी भी थे, जो उस समय टेरी के अध्यक्ष थे। यही नहीं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अखबारों खास तौर से अमर उजाला ने इसके लिए लामबंदी की। पर दुर्भाग्य से तत्कालीनघ्मुख्यमंत्री के बदलने के बाद फिर इसमें शिथिलता आ गई।

2018 मेंघ्नैनीताल उच्च न्यायालय ने भी इसे संज्ञान मेंघ्लियाघ्और अदालतघ्केघ्आदेशों कोघ्स्वीकारते हुए सरकार ने भीघ्जीईपी के लिए स्वीकृति प्रदान की। लेकिन बड़ा सवाल यह था कि क्या जिन समीकरणों से जीडीपी की गणना की जाती है, वही जीईपी की गणना में भी काम आएंगे। देश की विभिन्न शोध संस्थाओं से संपर्क साधा गया। दुर्भाग्यवश सभी के पास एक ही अमेरिकी सूत्र था कि जीईपी की गणना पारिस्थितिकी सेवा की तरह की जाए। लेकिन, पारिस्थितिकी सेवा में हर साल हवा, मिट्टी, जंगल और पानी के जोड़े जाने की सूचना नहीं मिलती, जबकि जीईपी इसका ही सूचक है। थक हार के हैस्को और उसके साथियों ने स्वयं ही इसका बीड़ा उठाया और जीईपी का एक समीकरण बनाया। लेकिन सवाल यह भी था कि क्या इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकारा जाएगा। इसके लिए दो चरणों में काम किया गया। अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए इसे प्रतिष्ठित शोध पत्रों में छपने के लिए भेजा गया और साथ में राष्ट्रीय स्तर में इसकी स्वीकार्यता के लिए देश की शोध पत्रिकाओं में। स्विट्जरलैंड के शोध जर्नल इकोलॉजिकल इंडिकेटर ने इस विचार को स्वीकारते हुए इसे स्थान दिया। इसी कड़ी में देश की प्रमुख शोध पत्रिका डाउन टूघ्अर्थ ने भी इसको स्थान दिया। इस सफलता के बाद उत्तराखंड के संबंधित विभाग से आंकड़े एकत्रित किए गए, जिनके आधार पर दुनिया की पहलीघ्जीईपी तैयार की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, जो लगातार पारिस्थितिकी और आर्थिक समन्वय की बात करते रहे हैं, उन्होंने इसे लॉन्च किया। इस तरह दुनिया में उत्तराखंडघ्पहला राज्य बना, जिसने अपनी पारिस्थितिकी आंकड़े का लेखा–जोखा पब्लिक फोरम में प्रस्तुत किया। राज्य की पहली जीईपी के अनुसार यह राज्य 0.9 फीसदी की दर से अपने पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मकता की ओर है।घ्हालांकि, यह बहुत सुखदपूर्ण तो नहीं है, लेकिन इससे बहुत ज्यादा हताश भी नहीं हुआ जा सकता। ये कम से कम तीन से चार फीसदी की दर में होगी, तो ये एक सुरक्षित पारिस्थितिकी की ओर इशारा करेगी। इसकी गणना सूक्ष्म तरीके से की गई। उदाहरण के लिए, वनों में कितने वृक्ष इस वर्ष लगे और कितने वृक्ष विभिन्न विकास कार्यों के लिए गिराए गए, कितने वृक्ष प्राकृतिक वजहों से खत्म हुए, आने वाले वर्षों में प्राकृतिक वजहों से मरने वाले वृक्षों का संभावित औसत इत्यादि इन सभी को जीईपी के समीकरण में शामिल किया गया। वृक्षों को एक से तीन तक की रैंकिंग भी दी गई। जीईपी में ट्री वेटेज निकाला गया, जो वर्तमान में 17 हजार है, जबकि एक बेहतर ट्री वेटेज 30 से 50 हजार होना सुरक्षित माना जाता है। इसी कड़ी में कितनी मिट्टी का ऑर्गेनिक ट्रीटमेंट किया गया, प्राण वायु को कितना बेहतर किया, कितना पानी जोड़ा इत्यादि सभी पहलुओं की गणना कर राज्य की पहली जीईपी सामने आई। दरअसल, देश चाहे कोई भी हो, विकास कार्यों को करने में वन काटे जाते हैं और प्राकृतिक संसाधनों को भी चोट पहुंचती है, लेकिन सरकार इनकी भरपाई के लिए जो कदम उठा रही है, वे कितने प्रभावी हैं, यह जीईपी से पता चलता है। यह राज्यों व केंद्र सरकार के पारिस्थितिकी प्रयत्नों के लेखे–जोखे का एक प्रयोग है, जो इसलिए भी जरूरी है ताकि यह दर्शाया जा सके कि विकास में जो भी खोया, उसको बेहतर करने की कोशिश भी हुई है। जीईपी के आंकड़े जब हमारे सामने होंगे, तभी हम संतुलित विकास की बात कर सकेंगे और दुनिया के सामने एक मिसाल पेश कर सकेंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प के लिए उतार–चढ़ाव भरे सप्ताह

विनय

हाल के कुछ सप्ताह डोनाल्ड ट्रम्प के लिए उतार–चढ़ाव भरे रहे हैं। सबसे पहले, उन पर हत्या का प्रयास किया गया। हालाँकि, इससे वे ईश्वर के चुने हुए व्यक्ति बन गए क्योंकि वे बच गए, और ऐसा लग रहा था कि राष्ट्रपति पद उनके हाथ में है क्योंकि जो बिडेन अपना वाक्य भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन फिर बिडेन ने पद छोड़ दिया, और अचानक, ट्रम्प बूढ़े, गोरे व्यक्ति बन गए, जिनका सामना उनसे 20 साल छोटे प्रतिद्वंद्वी से हुआ। ट्रम्प के उत्थान में धर्म ने बड़ी भूमिका निभाई है, हालाँकि वे स्वयं धार्मिक नहीं हैं। इसलिए उन्होंने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भीड़ से कहा मैं आपके सामने केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर की कृपा से खड़ा हूँ। ट्रम्प दावा कर रहे थे कि ईश्वर उनके पक्ष में है क्योंकि उन्हें ईसाई वोट जीतना है। रिपब्लिकन पार्टी एक काफी व्यापक चर्च हुआ करती थी, लेकिन इन दिनों इसका मुख्य समर्थन अमेरिकी ईसाइयों के एक विशेष ब्रांड से आता है जो बहुत दिखाई देते हैं लेकिन उतने नहीं जितने दिखते हैं। ये प्रोटेस्टेंट, इवेंजेलिकल ईसाई खुद को ईसाई राष्ट्रवादी कहने लगे हैं, और उन पर भरोसा किया जा सकता है कि वे रिपब्लिकन को वोट देंगे चाहे कुछ भी हो। हालाँकि, यदि बहुत से अन्य अमेरिकी वोट ही नहीं देते हैं, तो ट्रम्प को व्हाइट हाउस में वापस लाने के लिए उनमें से केवल पर्याप्त हैं। वास्तव में, रिपब्लिकन अब भगवान की पार्टी का स्थानीय संस्करण बन गए हैं। संख्याएँ कहानी बयां करती हैंरू पिछले साल एक सर्वेक्षण में रिपब्लिकन के रूप में पहचाने जाने वाले 87ः अमेरिकियों ने कहा कि वे भगवान में विश्वास करते हैं। केवल 66ः डेमोक्रेटिक मतदाताओं ने ऐसा किया। ट्रम्प द्वारा प्रार्थना करने का दिखावा करने और उनके दर्शकों द्वारा यह विश्वास करने का दिखावा करने के बारे में शिकायत का कोई आधार नहीं है कि वे वास्तव में ऐसा ही मानते हैं। यह बहुत से अन्य राजनीतिक सौदों से कम खराब नहीं है। लेकिन शायद यह अब पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि ट्रम्प के पास बिडेन जैसा दुखद रूप से कमजोर प्रतिद्वंद्वी नहीं है, क्योंकि अमेरिकी ईसाई धर्म पीछे हट रहा है। लगभग हर देश या क्षेत्र में धार्मिक विश्वास का अपना संस्करण हुआ करता था, और यदि आप वहीं पैदा हुए हैं, तो आप उसी पर विश्वास करते थे।

आखिरकार, आपके आस–पास के सभी लोग इस पर विश्वास करते थे, इसलिए यह सच होना चाहिए। लेकिन फिर जन शिक्षा और जन मीडिया आया, और लोग अपने आस–पास की व्यापक दुनिया के बारे में जागरूक हो गए। आधा दर्जन बड़े धर्म हैं और बहुत सारे छोटे धर्म हैं। उनमें से केवल एक ही सही हो सकता है। शायद उनमें से कोई भी सही न हो। और वह वही क्यों हो जिस पर मेरे दादा–दादी विश्वास करते थे? पश्चिम के अधिकांश लोगों के लिए, और पूर्वी एशिया के अधिकांश लोगों के लिए भी, पुरानी मान्यताएँ अब 'सामान्य' नहीं हैं।

अभी भी बहुत से लोग विश्वास करते हैं, और अधिकांश लोग विवाह और अंतिम संस्कार जैसे पारंपरिक धार्मिक संस्कारों को जारी रखने में खुश हैं। इसी तरह क्रिसमस और चीनी नव वर्ष जैसे प्राचीन मौसमी त्यौहार भी। लेकिन धार्मिक मूल लुप्त हो गया है। ब्रिटेन, स्वीडन और ऑस्ट्रेलिया में, केवल 30ः आबादी खुद को धार्मिक मानती है। जापान, दक्षिण कोरिया और चीन में, केवल 15ः लोग ऐसा मानते हैं। इसके अलावा, हर मामले में प्रवृत्ति रेखा नीचे की ओर है। इसके बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका एक बड़ा अपवाद प्रतीत होता हैरू एक विकसित देश जिसमें धर्म अभी भी सार्वजनिक जीवन पर हावी है। लेकिन यह वास्तव में एक भव्य भ्रम है क्योंकि सड़ांध (यदि ऐसा है तो) काफी समय पहले शुरू हो गई थी। 2001 में, गैलप पोल ने बताया कि 90ः अमेरिकी ईश्वर में विश्वास करते हैं। पिछले साल किए गए एक अन्य सर्वेक्षण में, केवल 74ः ने ऐसा किया। यह प्रति वर्ष लगभग एक प्रतिशत की गिरावट है।

संसार की जलवायु तेजी से बदल रही

आदित्य

लगातार 12वां महीना रहा जब वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। हमारे पास एक पूरा साल रहा है जब हर महीने का तापमान उस महीने के रिकॉर्ड किए गए उच्चतम तापमान से अधिक रहा है। यह चिंताजनक है। यह हमें बताता है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण अत्यधिक गर्मी पड़ने के बारे में जलवायु वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियाँ सच हो गई हैं। इस बात की कोई वास्तविक उम्मीद नहीं है कि इस तरह के शिखर जल्द ही कम हो जाएँगे।जलवायु वैज्ञानिक और भी भयानक चेतावनी देते हैं कि पृथ्वी अज्ञात क्षेत्र में जा रही है और यह अनुमान लगाना असंभव है कि जलवायु कैसे बदलेगी।भारत में, उत्तर भारत में लू चलने के कारण कई जगहों पर 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान देखा जा रहा है। बिजली ग्रिड अक्सर ध्वस्त हो जाता है, बिजली की मांग में भारी उछाल को झेलने में असमर्थ होता है क्योंकि लोग ठंडक पाने की कोशिश करते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण एसी फट रहे हैं, घरों और अपार्टमेंट में आग लग रही है, हिमालयी क्षेत्र के जंगल अनियंत्रित आग से तबाह हो गए हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट में दिल्ली के कुछ स्ट्रीट मार्केट में दिन के तापमान का नक्शा बनाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोपहर का अधिकतम तापमान 59 डिग्री सेल्सियस रहा। यह कल्पना करना कठिन है कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी–पटरी वाले, ऑटो चालक, मजदूर और अन्य लोग भीषण गर्मी में कैसे जीवित रहते हैं। ग्रीनपीस इंडिया और नेशनल हॉकर्स फेडरेशन द्वारा जून 2024 में लाई गई रिपोर्ट में रेहड़ी–पटरी वालों पर हीटवेव के प्रभाव के बारे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि हीटवेव के बारे में जागरूकता और तैयारी खराब हैय अधिकांश लोग हीटवेव के खतरों या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, यह नहीं जानते और उन्हें बताने वाला कोई नहीं है। रेहड़ी–पटरी वाले दिन में लगभग 12 घंटे काम करते हैं, जिनमें से कई लोग तेज गर्मी के दौरान आराम भी नहीं करते। तेज गर्मी के संपर्क में आने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम काफी अधिक होते हैं। अधिकांश कर्मचारी सिरदर्द, निर्जलीकरण और सामान्य चिड़चिड़ापन से पीड़ित थे। लगभग 90 प्रतिशत महिला रेहड़ी–पटरी वालों ने उच्च रक्तचाप की शिकायत की, कई अनियमित मासिक धर्म चक्र से पीड़ित थीं। आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। रेहड़ी–पटरी वालों ने बताया कि ग्राहकों की संख्या कम है, इस प्रकार आय में कमी आई और बढ़ते खर्चों ने आर्थिक रूप से जीवित रहना मुश्किल बना दिया। दुनिया भर में गर्मी की लहरें लोगों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अकेले भारत में 1990 से 2020 के बीच अत्यधिक गर्मी के कारण 25,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 2024 तक के चार वर्षों में यह निश्चित रूप से बढ़ गया है क्योंकि वैश्विक जलवायु तेजी से गर्म हो रही है और अत्यधिक गर्मी की अवधि अधिक बार हो रही है। भारत के 2024 के आम चुनाव अभियान के दौरान, चुनाव ड्यूटी पर कम से कम 20 अधिकारी मौजूदा गर्मी की स्थिति के कारण दम तोड़ चुके हैं, और अगर यह कोई संकेत है, तो वोट डालने के लिए खुले में खड़े कई और लोगों की जान जाने की संभावना है। स्पष्ट रूप से, हमें इस गर्मी संकट पर तत्काल प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है। तो, इस गंभीर स्थिति के लिए नीतिगत प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए? पहली प्राथमिकता गर्मी से बचने के लिए जगह, पीने का पानी और गर्मी से होने वाली थकावट और हीट स्ट्रोक के इलाज के लिए प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना होना चाहिए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, देश का 90 प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में काम करता है। ये चौंका देने वाली संख्याएँ हैं जो अत्यधिक गर्मी के विनाशकारी प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं और यह चुनौती के पैमाने को इंगित करती हैं जिसका सामना करना होगा क्योंकि हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले वर्षों में हीटवेव अधिक लगातार और तीव्र हो जाएँगी। जो लोग खुले में काम करते हैं, उन्हें हीट शेल्टर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है, ऐसी जगहें जहाँ वे दिन के सबसे गर्म समय में शरण ले सकें। किसान विशेष रूप से असुरक्षित समूह हैं क्योंकि उनका काम मौसम की परवाह किए बिना बाहर होता है, जिसमें गर्मियों का मौसम सबसे खराब होता है। दोपहर की भीषण गर्मी से बचने के लिए, ग्रामीण पुरुषों और महिलाओं को आश्रयों तक पहुँच की आवश्यकता होती है जहाँ वे सबसे गर्म अवधि के दौरान राहत पा सकें। कृषि क्षेत्रों में, खेत जानवरों के लिए भी हीट शेल्टर की आवश्यकता होगी, क्योंकि वे भी उच्च गर्मी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। मुर्गी पालन आसानी से गर्मी के कारण दम तोड़ देता है और जुगाली करने वाले जानवर और मवेशी हीटवेव के दौरान गिर जाते हैं।

गाय और भैंसों में दूध का उत्पादन काफी कम हो जाता है, जिससे आय में कमी आती है। खेतों के पास हीट शेल्टर सरल हो सकते हैं। छिद्रित दीवारों और छप्पर की छतों वाले बाड़े ठंडी हवा के प्रवाह की अनुमति देंगे। मिट्टी के बर्तन ठंडा पीने का पानी प्रदान कर सकते हैं। गांवों में सामुदायिक भवन, सरकारी इमारतें, मंदिर और स्कूल गर्मी के चरम काल में गर्मी से बचाव के लिए आश्रय स्थल के रूप में काम आ सकते हैं। स्थानीय वास्तुकला, जिसे अब काफी हद तक त्याग दिया गया है, में कई विकल्प हैं जो आवासों और सार्वजनिक स्थानों को ठंडा बना सकते हैं। पारंपरिक राजमिस्त्रियों से परामर्श करके घरों और आश्रयों में गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए सस्ते समाधान प्राप्त किए जा सकते हैं। सबसे बढ़कर, हमें एक स्वस्थ वातावरण को फिर से बनाने, जल निकायों को बहाल करने और ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तरह हरियाली बढ़ाने की आवश्यकता है। तेजी से और धीमी गति से बढ़ने वाले पेड़ों, झाड़ियों और झाड़ियों का मिश्रण लगाया जाना चाहिए ताकि त्वरित हरियाली और लंबे समय तक पेड़ और उपवन दोनों प्रदान किए जा सकें। सस्ते में ठंडे आवास बनाने के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है।

कनिष्क मेहरोत्रा हत्याकांड का हुआ खुलासा, मुठभेड़ में घायल आरोपित व सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सहित चार गिरफ्तार

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना)

अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस आज चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पूर्व एक आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि 30 जुलाई को हुए

इस वीभत्स हत्याकांड के बाद पुलिस की 7 टीमें तैयार की गई थीं। इस संबंध में मृतक के भाई हर्ष मेहरोत्रा के द्वारा कोतवाली शहर पर मु0अ0सं0 486/24 धारा 61 (2)/103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया एवं घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित कर लगायी गईं। पुलिस टीमों द्वारा सीसीटीवी फुटेजध सीडीआर व अन्य साक्ष्य संकलित कर अभियुक्तों को चिन्हित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि घटना की पृष्ठभूमि वर्ष 2011 से बन रही थी। आदित्य भान सिंह पुत्र राजवधन सिंह निवासी सराय थोक पश्चिमी, वीरेन्द्र सिंह उर्फ वीरे यादव निवासी ग्राम बरगदापुर थाना अरवल, शिखर गुप्ता निवासी धर्मशाला रोड व नृपेन्द्र त्रिपाठी निवासी रामनगर कालोनी ने मिलकर मृतक कनिष्क महरोत्रा के किराए के मकान को खाली कराने के क्रम में इस घटना को अंजाम दिया। बताया, इसके लिए आदित्य भान सिंह और वीरेन्द्र सिंह उर्फ वीरे यादव से रामू महावत मिला था। रामू महावत इससे पूर्व सभी के साथ डेरी का काम कर चुका था। आदित्य भान सिंह, वीरे यादव, शिखर गुप्ता, नृपेन्द्र त्रिपाठी ने मिलकर रामू महावत के साथ कुल 04 लाख रूपये की डील की थी। रामू महावत ने रामसेवक उर्फ लल्ला निवासी जोगीपुर मजरा तत्यौरा, राजवीर ग्राम जोगीपुर व नीरज निवासी झरोड्या थाना कोतवाली शहर से सम्पर्क कर घटना को अंजाम देने के लिये तैयार किया। बताया कि आदित्य, वीरे, शिखर व नृपेन्द्र बीच बीच मे घटना को अंजाम देने के लिये आपस मे मिलते भी थे। इन चारो की अधिकतर मीटिंग रफी अहमद चौराहे के आस पास ही होती थी। घटना को अंजाम देने के लिये एडवान्स पेमेन्ट लगभग दो माह पूर्व कुल 01 लाख 40 हजार रूपये दिया गया था। जिसमे से 50 हजार रूपये नृपेन्द्र ने 50 हजार रूपये वीरे ने व 40 हजार रूपये आदित्य ने दिये थे। शिखर ने काम होने के बाद अपना हिस्सा देने की बात कही थी। आदित्य ने पल्सर मोटर साईकिल को उपलब्ध कराया था। घटना वाले दिन रामसेवक उर्फ लल्ला, राजवीर और नीरज जोगीपुर में इकट्ठा हुये थे। रामसेवक उर्फ लल्ला ने उस दिन आदित्य को फोन किया था कि हम लोग आज काम करने जा रहे हैं। रामसेवक उर्फ लल्ला, राजवीर और नीरज दिन में कई बार शराब के ठेकों पर गये और शराब पी। इसके बाद दिन में मोटर साईकिल पंक्चर होने पर सिनेमा रोड पर पन्चर बनवाया फिर सरकुलर रोड गये जहाँ शराब पी। इसके बाद फिर नुमाइश चौराहा गये और शराब खरीदी व पी। इसके बाद ये लोग घटना को अंजाम देने के लिये चल दिये। मृतक के घर के पास पहुँच कर लल्ला और नीरज घर पर गये तथा पल्सर गाड़ी पर राजवीर बाहर खड़ा रहा। घर के अन्दर जाकर मुंशी से कार्य के लिये बताकर वकील साहब को बुलाया और फाइल देने के बहाने कमरे मे जाकर लल्ला ने कनपटी पर गोली मार दी। इसके बाद तीनों मोटर साईकिल से लखनऊ चुंगी से बिलग्राम चुंगी, वहाँ से सांडी चुंगी से दाहिने कट लेकर पुलिया वाला रोड पकड़ कर बावन रोड से जोगीपुर गांव गये। घटना के बाद लल्ला ने उसी मोबाइल नम्बर से आदित्य को फोन किया कि काम हो गया है। नीरज ने अपनी पहचान छिपाने के लिये उसी दिन शाहजहाँपुर रोड स्थित एक नाई की दुकान पर अपने बाल कटवा लिये।

थाना कोतवाली शहरध स्वाटध्एसओजी व सर्विलांस टीम द्वारा उपरोक्त अभियोग में प्रकाश में आये अभियुक्त नीरज निवासी ग्राम झरोईया को कल 1 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार किया। प्रकाश में आये अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी थे। इस क्रम में आज पुलिस टीमों द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियोग में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त आदित्य भान सिंह उर्फ लालू सिंह, वीरेन्द्र सिंह उर्फ वीरे यादव, शिखर गुप्ता व नृपेन्द्र त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों द्वारा मकान खाली कराने के विवाद को लेकर आपराधिक षडयंत्र करके घटना की गयी थी। बताया, शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

घटना में हरदोई जिले के कुछ चर्चित लोगों के प्रकाश में आने के बाद आज पूरे हरदोई में इस घटना कांड को लेकर ही चर्चा हो रही है। लोग सोशल मीडिया पर भी तरह–तरह के कमेंट कर रहे हैं।

पढ़ाई के साथ विशेष कौशल से लैस होंगे पीयू के विद्यार्थी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल छात्रों को कार्यबल के लिए महत्वपूर्ण कौशल से लैस करने के लिए सप्ताह में तीन दिन विशेष प्रशिक्षण दे रहा है. इसकी शुरुआत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के निर्देश पर की गई है. इस प्रशिक्षण का सीधा फायदा विद्यार्थियों को जॉब के लिए सफलतापूर्वक इंटरव्यू देने के लिए होगा.

गौरतलब है कि प्लेसमेंट सेल द्वारा पिछले सत्र में अधिकतम 6 लाख तक के पैकेज पर 68 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कराया गया है. कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान देने के साथ ही साथ उनके सॉफ्ट स्किल को विकसित करने के लिए प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेष प्रशिक्षण शुरू कराया गया है. इससे आने वाले समय में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. इस क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है. उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी भी प्लेसमेंट सेल से जुड़कर इस प्रशिक्षण को प्राप्त कर सकते है.

सेंट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो प्रदीप कुमार ने बताया कि परिसर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के सॉफ्ट स्किल को विकसित करने के लिए सप्ताह में तीन दिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसमें माक इंटरव्यू, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और रिज्यूम निर्माण की तकनीकों से विद्यार्थियों को लैस किया जा रहा है. हम अपने छात्रों को नौकरी के क्षेत्र में लगातार बदलते बाजार में सफलता के लिए प्रतिबद्ध हैं.

उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्लेसमेंट के लिए कंपनियों से अभी से संपर्क प्रारंभ कर दिया गया है. गत वर्ष प्लेसमेंट हेतु विश्वविद्यालय में कई कंपनियों की प्लेसमेंट ड्राइव ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कराई गयी जिसमें प्रमुख रूप से ब्लिंकिट, क्रेनाई सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फ्यूचर गुरुकुलस, केवीबी स्टाफिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ओसियन टेक्नोलॉजीजध्सनकैप टेलीकॉम प्रा. लिमिटेड, आई सी आई सी आई (एन आई आई टी) एक्सिस (एन आई आई टी), एबीआईएस एक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड, आदि थी.

अयोध्या दुष्कर्म पीड़िता की मां ने योगी से लगाई गुहार, सीएम बोले- सपा नेता पर होगी सख्त कार्रवाई

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या जिले के थाना पूरा कलंदर क्षेत्र के भदरसा में बच्ची से बलात्कार का मामला धीरे धीरे गरमाता ही जा रहा है। एक ओर जहां गुरुवार को इस मामले को विधानसभा में उठाया गया था।सीएम योगी ने इस मामले में समाजवादी पार्टी और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद पर जोरदार हमला बोला है। वहीं शुक्रवार को पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है। सीएम योगी ने सपा नेता मोईन खान पर कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। बता दें, गैंगरेप का आरोपी सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने पॉक्सो के तहत केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।दरअसल गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा सत्र में कानून व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी को आइना दिखाया था। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में दुष्कर्म करने वाला सपा सांसद का करीबी है। लेकिन समाजवादी पार्टी ने अबतक इस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की है। इतना ही नहीं, सीएम योगी ने विधानसभा में सपा के लोगों को महिला सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या व हरदोई मामले में सपा के नेता आरोपी है, ये समाज के कोढ़ हैं।इसी क्रम में अयोध्या के दुष्कर्म पीड़िता के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान के साथ मुख्यमंत्री आवास में रेप पीड़िता के परिजनों की मुलाकात हुई है।सीएम योगी से मुलाकात कर पीड़िता के साथ रही स्थानीय नेता ने कहा सीएम से बातचीत हुई है।कार्यवाही का भरोसा दिया है। फांसी की मांग करते हैं। मुख्यमंत्री ने हमारी मदद करने का वादा किया है। पीड़िता को आर्थिक मदद मिलने की भी बात कही जा रही है।वहीं इस मामले को लेकर गोसाईगंज सपा विधायक अभय सिंह ने भी सपा पर निशाना साध दिया है। अभय सिंह ने कहा कि आज पीडीए का कोई भी व्यक्ति इस बालिका के साथ नहीं है, क्या यही पीडीए है। उन्होंने कहा कि 12 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की गई है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। अभय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी सदन में यह बात कही है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये पहली लड़की नहीं है। इसके पहले भी कई लड़कियां दुष्कर्म का शिकार हुई है। इन आरोपियों ने कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया है।बता दें, प्रभु राम की नगरी अयोध्या में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप करने वाले सपा के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइन खान और उसकी बेकरी में काम करने वाले एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पीड़िता के परिवार को तब मामले की जानकारी हुई जब पीड़िता गर्भवती हो गई थी। इसको लेकर एसएसपी राजकरन नय्यर ने बताया कि सपा नेता ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसका वीडियो बना लिया। अपनी घिनौनी हरकत का वीडियो दिखाकर और उसे डरा–धमका कर आरोपी करीब ढाई महीने तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। इस काम में कर्मचारी राजू खान ने उसकी मदद की है।

स्तनपान से जच्चा बच्चा के बीच आत्मीय बंधन और लगाव उत्पन्न होता है - डा. अमरजीत अजमानी

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)आई. एम.ए. की हरदोई शाखा द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह आज 2 अगस्त को मनाया गया । इस अवसर पर कीर्ति कृष्णा बाल नघेटा रोड पर पोस्टर प्रदर्शनी , गोष्ठी और निःशुल्क परामर्श का आयोजन किया गया ।जिसका उद्घाटन समाज सेविका श्रीमती कीर्ति सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि जन्म के बाद बच्चे को माँ के स्तन से तुरंत लगाना चाहिए । इससे बच्चे को कई तरह के आघातों और खतरों से सुरक्षा मिलती है ।

अध्यक्ष डा अजय अस्थाना ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए छह माह तक केवल माँ का दूध मिलना अति आवश्यक होता है। बाल रोग विशेषज्ञ डा अजमानी ने कहा कि स्तनपान कराने से माँ और बच्चे के बीच एक आत्मीय बंधन और लगाव पैदा होता है ।बाल रोग विशेषज्ञ डा अखिलेश पटेल ने बताया कि माँ के दूध से बच्चों का कई तरह की बीमारी से बचाव होता है, बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है । माँ के दूध में मौजूद गैलेक्टोज और एंटीबॉडीज बच्चे को बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। डॉक्टर सुबोध कुमार अधीक्षक महिला चिकित्सालय ने कहा कि माँ और बच्चे की देखभाल से जुड़े सभी स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी है कि नवजात शिशु को माँ का दूध ही मिले , किसी तरह का डिब्बे का , गाय का दूध , घोल , शहद या घुट्टी ना पिलायी जाए ।

बाल रोग विशेषज्ञ डा आर.पी. गुप्ता ने कहा कि माँ का दूध पिलाने से दूध खरीदने, बोतलों को बार बार खघ्रीदने उबालने और बार बार डॉक्टर को दिखाने का खघ्र्च बचता है जो सामान्य आय परिवार के लिए बड़ी आर्थिक बचत है। डा स्फूर्ति कटियार ने बताया कि स्तन पान कराने वाली मातायें उच्च रक्तचाप,स्तन कैंसर, अंडाशय कैंसर और मोटापे से बची रहती हैं ।डा तिरुपति आनन्द ने सभी अतिथियों को पोस्टरों प्रदर्शनी का भ्रमण कराया।

डा सी के गुप्ता ने गोष्ठी का संचालन किया और कहा कि अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों मां का दूध उतरने का इंतजार कर के बच्चे को एक या दो दिन बाद ही देते हैं और मॉतायें छोटी छोटी समस्या में बच्चे को अपना दूध पिलाना बंद कर देती हैं जो कि गलत है । सभी सामाजिक सेवी कार्यकर्ताओं को इन भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए । उन्होंने ये भी माँग की कि इस महत्वपूर्ण कार्य के लिये सरकार की तरफ से स्तनपान को समर्पित कर्मियों की नियुक्ति की जाए। इस अवसर पर डा संदीप कटियार, डॉक्टर अमित आनन्द,डॉक्टर कृति मौर्या , डा कीर्ति कटियार , अपर्णा गुप्ता , विनीता मौर्या, डॉक्टर रविन्द्र सिंह , डा रवीन्द्र कुमार ,डा विनय कटियार , डा विमलेश पटेल डॉ अरुण कुमार मौर्या , डा राजीव प्रजापति ,मोहित राठौर आदि मौजूद रहे।

दो बाइकों की टक्कर में दो गंभीर रूप से घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के पास गुरुवार की रात को दो बाइकों की आमने सामने टक्कर में एक 12 वर्षीय किशोर तथा 35 वर्षीय युवक घायल हो गये। हौज ग्राम निवासी सुनील कुमार 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय भरत राज तथा सतीश कुमार 12 वर्ष पुत्र अभिषेक कुमार गुरुवार की रात को कुछ सामान लेने के लिए सिरकोनी बाजार गए थे। वहां से सामान लेकर अपने घर आ रहे थे।सिरकोनी टोल टैक्स 100 मीटर आगे बनारस की तरफ से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें सुनील और सतीश गंभीर रूप से घायल हो गए।उसी समय पुलिस मौके पर पहुंच गयी।उसने घायलों को एंबुलेंस से सिरकोनी सीएससी भिजवाया।जहा बेहतर उपचार के लिए दोनो को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिसमें घायलो में सतीश की हालत गंभीर होने के कारण परिजन निजी अस्पताल में लेकर चले गए।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित वेटलैंड्स फॉर लाइफ फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन हुआ फिल्म स्क्रीनिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 2 अगस्त कोध आयोजित ष्वेटलैंड्स फॉर लाइफध फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन फिल्म स्क्रीनिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेटलैंड्स फॉर लाइफ फिल्म फेस्टिवल का लखनऊ संस्करण सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (नई दिल्ली) द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय , पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए जर्मन एजेंसी (जीआईजेड) एवं डबल्यू डबल्यू एफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 1–3 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की डायरेक्टर जनरल डॉ. पी. एन. वसंती राव के निर्देशन में वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व पर प्रकाश डालने वाली सम्मोहक फिल्मों एवं कहानियों का प्रदर्शन किया गया। इन फिल्मों ने जनता को जैव विविधता का समर्थन करने और स्थानीय समुदायों को बनाए रखने में आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में शिक्षित किया। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए वेटलैंड्स और पर्यावरण संरक्षण विषय पर केंद्रित एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान प्रतियोगिता में युवा, रचनात्मक दिमागों की उत्साही भागीदारी देखी गई। साथ ही नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन – फिल्म प्रोडक्शन मुंबई के सीनियर मैनेजर श्री रितेश तकसंदे के निर्देशन में श्सामाजिक प्रभाव फिल्म निर्माणश विषय पर मोजो कार्यशाला का आयोजन किया गया। समस्त कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष , विभिन्न पर्यावरण संबंधी संस्थानों के सदस्य, शोधार्थी, विभिन्न विद्यालयों एवं विश्व विद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री जनता दरबार में बीएसए के शिकायत की जांच एडी बेसिक अयोध्या

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुख्यमंत्री जनता दरबार में बीएसए की शिकायत की जांच एडी बेसिक अयोध्या को मिली। एडी बेसिक अयोध्या के पत्र द्वारा शिकायत कर्ता दिनेश सिंह ने शपथ पत्र और साक्ष्य एडी बेसिक को जांच के लिए दिया। श्रीराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के भ्रष्टाचार के विरोध में मुख्यमंत्री जनता दरबार और महानिदेशक राज्य परियोजना को दी गई शिकायत की जांच का जिम्मा एडी बेसिक अयोध्या को मिली है। एडी बेसिक अयोध्या ने दिनेश सिंह को पत्र लिख कर शपथ पत्र और साक्ष्य शिकायत के सन्दर्भ में मांगा था और आज सुनवाई के लिए बुलाया था । उनके द्वारा स्वयं न होने पर कार्यालय में साक्ष्य और शपथ पत्र उपलब्ध कराते हुए दिनेश सिंह ने कहा बीएसए अयोध्या के भ्रष्ट कार्यों की जानकारी माननीय मुख्यमंत्री जी को दी गई है । जिसकी जांच मंडलायुक्त अयोध्या द्वारा एडी बेसिक को मिली है। साक्ष्यों और शपथ पत्र देने की जानकारी महानिदेशक राज्य परियोजना को भी दी गई जिस पर महानिदेशक राज्य परियोजना ने जांच रिपोर्ट आने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की बात का आश्वाशन दिया है।

लूट की घटना को अंजाम देने वाला दो युवक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र धनियामऊ निवासी वशिष्ठ नारायण मिश्र के परिवार से असलहे के बल पर लूट करने वाले एक युवक व सोनार को बक्शा थाना क्षेत्र के लखनीपुर रेलवे फाटक के पास जेवरात के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लखनीपुर रेलवे फाटक के पास से दो सोने की चौन,दो सोने के लाकेट, एक तमंचा,एक मोटरसाइकिल के साथ दो युवक को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया। बक्शा थाना क्षेत्र के धनियामऊ निवासी वशिष्ठ नारायण सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ 13 जुलाई की रात को मछलीशहर थाना क्षेत्र के कोहड़ा गांव में शादी में शामिल होने के बाद इनोवा गाड़ी में बैठकर अपने गांव धनियामऊ वापस आ रहे थे। कि सीहीपुर पुल के नीचे एक मोटर साईकिल से तीन अज्ञात व्यक्ति

आये। और गाड़ी रूकवाकर असलहा दिखाते हुए डरा धमका कर परिवार के लोगों से सोने की अंगूठी,चौन,व गले की हार आदि को लूट लिए। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। सुचना मिलते ही थाना प्रभारी ने अपने टीम के साथ लखनीपुर रेलवे फाटक के पास से धर्मेंद्र गौड़ निवासी कोटिला बेलवार थाना सुजानगंज व सोना खरीदारी करने वाले सुनार सुनील सोनी निवासी बेलवार को सोना खरीदते गिरफ्तार कर लिया। मामले का शुक्रवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण में शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी धर्मेंद्र गौड़ ने बताया कि मैं अपने साथियों के साथ अतुल गौड़, अरविंद केवट सुरेंद्र गौड़,के साथ इनोवा वाहन में बैठे लोगों से लूट किये थे। अतुल गौड़ हमारे गैंग का मुखिया है। जिसको पुलिस टीम द्वारा मुठभेड़ में पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। लूट का मुखिया मुठभेड़ में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। पीड़ित द्वारा समान की पहचान कराई गई है। अरविंद केवट व सुरेंद्र गौड़ की तलाश जारी है। जल्द ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

अवनीश दीक्षित की रिहाई को लेकर इंडियन कौंसिल आफ प्रेस ने दिया ज्ञापन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। इंडियन कौंसिल आफ प्रेस के बैनर तले पत्रकारों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में कहा गया कि बढ़ते अपराधों पर रोक लगा पाने मे असफल कानपुर पुलिस द्वारा पत्रकारों का मनोबल तोड़ने के लिए फर्जी मुकदमा बनाकर पत्रकार अवनीश दीक्षित को फंसा गया है। इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस संगठन इस घटना की निंदा करता है हम लोग यह मांग करते हैं कि प्रकरण के संबंध में पत्रकार अवनीश दीक्षित को तुरंत रिहा किया जाए और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दी जाए इस मौके पर जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव ने कहा की पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए वही प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव ने कहा संगठन पीड़ित परिवार के साथ है और पीड़ित की रिहाई के लिए मांग करता रहेगा।ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव, संरक्षक कुशल चंद्र मिश्र, राजेंद्र दूबे , नवनीत कौशल, अमित कुमार, लव पांडेय, अरविंद गुप्ता, ब्रजेश सोनकर, मो गुलजार, नरेंद्र मिश्रा, के साथ दर्जनों की संख्या में इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस के पदाधिकारी एवम पत्रकार शामिल रहे।

विवाद में महिलाओं के बीच हुई मारपीट एक ने दूसरी महिला की काटी नाक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के कुमारगंज थाना क्षेत्र के धमथुआ मुगलन गांव में मामूली बात को लेकर महिलाओं के बीच जमकर मारपीट हो गई। महिलाओं के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित महिला रेनू ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में ही रहने वाली उर्मिला के यहां से पहले नाली विवाद था, जो निपट गया था। हाल ही में अभी उनके बेटे को सर्प डस लिया था, तब से वह यही कह रही थी कि तुम्हीं झाड़ फूंक कराई हो। जब मैंने इसका विरोध किया तो इसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उर्मिला के घर की महिलाएं एकजुट होकर मुझे लात–घूसों से जमीन पर गिरा कर मारा–पीटा तथा चाकू से नाक भी काटी है।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में भी साफ–तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरीके से कई महिलाएं एक महिला के बाल पकड़कर जमीन पर गिराकर उसे बुरी तरह से मार रही हैं। प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह ने बताया कि पीड़िता रेनू कि तहरीर पर पड़ोसी महिला उर्मिला, अजू, मजू, नीता, शिवानी, संगीता, प्रिस, राहुल के विरुद्ध संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने लगाई कड़ी फटकार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग के चार लेन में चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण तथा नाले व रोड़ निर्माण के कार्य का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान बूथ संख्या 04,दर्शन नगर क्रॉसिंग, फतेहपुर क्रासिंग, मुराबन टोला राम नगर व चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में खण्ड के शशि भूषण सिंह, अधिशासी अभियन्ता, पूर्ण कुमार रस्तोगी, अखिल वर्मा, विपिन कुशवाहा, सहायक अभियन्ता एवं निर्माणकर्ता फर्म के वीरेश सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने चौनेज–0.200, 1.000, 5.300, 6. 900 एवं 11.900 का स्थलीय निरीक्षण के दौरान उक्त चौनेजों पर कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी पाई गयी।

वास्तव में समय रहते पूरा कलंदर पुलिस की होती कार्यवाही तो बच जाती अयोध्या की बदनामी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के थाना पूरा कलंदर में भदरसा रेप कांड में पीड़ित परिजनों ने असली दोषी पुलिस को ही बताया है, राजनेता भी पुलिस को दोषी मान रहे है। लेकिन अभी तक किसी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होना भी शक के दायरे में है। बताया जाता है कि पुलिस की भदरसा पुलिस चौकी आरोपी के घर में सालो से चल रही थी और जब मामला खुला तो तत्काल भरतकुंड स्थांतरित हो गई। शायद इसी एहसान के चलते पुलिस ने कार्यवाही समय से करना उचित नहीं समझा है। पीड़िता ने बउ से स्पष्ट कहा है की जिस दिन वह शिकायत लेकर गई थी तो थानेदार के साथ आरोपी चाय पी रहा था, अब इसके बाद किसी को और सुबूत की जरूरत नही है। पुलिस पर कार्यवाही हो या न हो कोई बहुत मतलब भी नही है लेकिन यह सही है कि अयोध्या में भी किस मानसिकता के लोग काम कर रहे है।

मुकदमे में सुलह के लिए दुष्कर्म पीड़िता का अपहरण, आरोपी युवक समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले में मुकदमे में सुलह के लिए दुष्कर्म पीड़िता के आरोपी ने अपहरण कर लिया। मामले में कोर्ट के आदेश पर राधानगर पुलिस ने युवक व उसके पिता, चाचा पर मुकदमा दर्ज किया है। राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को मधुपुरी गांव का मुन्ना उर्फ अभयराज मौर्य 12 अगस्त 2018 को बहलाकर ले गया था। पति ने थाना सदर कोतवाली में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। काफी दिन मुन्ना मौर्य जेल में रहा। मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है। उसकी पुत्री व पति की गवाही भी हो चुकी है। आरोपी की ओर से पुनः प्रार्थना पत्र गवाही के लिए दिया है। गवाही में सुलह के लिए मुन्ना मौर्य व उसका पिता शिवदास मौर्या, चाचा सुरेश दबाव बना रहे हैं। सुलह न करने पर साजिश के तहत एक मई की सुबह पुत्री को गांव किनारे से मुन्ना जबरन कहीं ले गया है। महिला ने पुत्री के अपहरण की शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अपहरण के मामले में पुत्री कोर्ट में गवाही न दे सके, इसी वजह से मुन्ना ने अपहरण किया है। आरोपी ने गवाही देने पर परिवार को मार डालने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक आरके पटेल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

महोबा संक्रामक बीमारियों का कहर - बुखार से नवजात समेत दो की मौत

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले में संक्रामक बीमारियों का कहर जारी है। बुखार से नवजात बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई। 24 घंटे के अंदर बुखार, उल्टी, दस्त और पेटदर्द से पीड़ित 12 लोगों को जिला अस्पताल के वार्डों में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। वहीं, निजी क्लीनिकों में भी मौसमी बीमारियों से ग्रसित मरीजों की भीड़ जुट रही है। तेज धूप से पड़ रही उमस व बीच–बीच में हल्की बूंदाबांदी होने से लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। गुरुवार को जिला अस्पताल की ओपीडी खुलते ही मरीजों और तीमारदारों की भीड़ जुट रही है। इतना ही नहीं पर्चा बनवाने से लेकर काउंटर से दवा लेने के लिए मरीजों को घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। इस दौरान ओपीडी में उल्टी, दस्त, बुखार आदि के मरीजों की भरमार रही। पिछले 24 घंटे में पीहू, बाबू, देवेंद्र, साजिल, कल्लू, वर्षा, गोलू, निधि, अंबिका, शोभा, रेनू व रानी की हालत नाजुक होने पर वार्ड में भर्ती कराया गया। कोतवाली कुलपहाड़ के बम्हौरी निवासी रघुवीर राजपूत की पत्नी ने 29 जुलाई को सीएचसी कुलपहाड़ में बेटी शिवानी का जन्म दिया था। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। बुखार होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल ला रहे थे लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसी तरह कस्बा कबरई निवासी महिपत कुशवाहा (53) कई दिनों से बुखार से पीड़ित था। बुधवार की शाम अचानक हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएमएस डॉ. पवन कुमार अग्रवाल का कहना है कि मौसम में हो रहे बदलाव से मरीजों की संख्या बढ़ी है। ऐसे मौसम में खुले में रखे खाद्य पदार्थों और अधिक ठंडा पानी पीने से परहेज करें।

संक्षिप्त खबरें

मशीन खराब होने से पांच घंटे गुल रही 15 गांवों की बिजली

सहारनपुर, संवाददाता। इनकमिंग मशीन फुंकने से 15 गांवों की बिजली आपूर्ति करीब पांच घंटे बंद रही। रामपुर मनिहारन मार्ग पर 33 केवी विद्युत उपकेंद्र में बुधवार सुबह इनकमिंग मशीन की फिंगर में आग लग गई। इससे क्षेत्र के दल्हेड़ी, बड़गांव, झबीरन, महेशपुर, शब्बीरपुर, चंदपुर, सहजी, सांवतखेड़ी, खुदाबक्सपुर माजरा, बड़ूली, कातला, मोहम्मदपुर गाड़ा, रेड़ा, सिरसली कलां व खुर्द सहित 15 गांवों की बिजली आपूर्ति सुबह साढ़े दस बजे बाधित हो गई। इससे क्षेत्र में ग्रामीणों को भीषण गर्मी में दिक्कतों को सामना करना पड़ा। विभागीय कर्मचारियों ने इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद कर्मचारियों ने मरम्मत का काम शुरू किया। तीन बजे बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।जेई मुकेश कुमार ने बताया कि इनकमिंग मशीन को ठीक कराकर बिजली आपूर्ति सुचारु करा दी गई है।

मृतक एसडीओ के परिवार को 2.80 करोड़ रुपये देने के आदेश

सहारनपुर, संवाददाता। 2019 में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले विद्युत निगम के दो एसडीओ के परिवारों को 2.80 करोड़ रुपये मिलेंगे। न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के न्यायाधीश ने युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को दोनों मृतक के परिजनों को यह धनराशि मय ब्याज देने के आदेश दिए हैं। मामला नौ सितंबर 2019 को है। अधिवक्ता के मुताबिक, विद्युत निगम के एसडीओ रब्बान अली निवासी गढ़मीरपुर जनपद हरिद्वार अपने साथी एसडीओ पवन के साथ मेरठ से सरकारी काम से लौट रहे थे। कोतवाली देवबंद क्षेत्र में ट्रैक्टर की साइड इनकी कार में लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया था। मामले में इंश्योरेंस कंपनी क्लेम देने में आनाकानी कर रही थी और परिवार को बेवजह परेशान किया जा रहा था। एसडीओ रब्बान की पत्नी शाकिरा और पवन के परिवार ने अदालत में वाद दायर किया था। बुधवार को इस मामले में न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के न्यायाधीश अंबर रावत ने रब्बान के परिवार को एक करोड़ 35 लाख 44 हजार 928 रुपये और पवन के परिवार को एक करोड़ 44 लाख 77 हजार 512 रुपये सात प्रतिशत मय ब्याज के देने के आदेश दिए हैं।

शाकंभरी देवी नदी में आया पानी का उफान, श्रद्धालुओं को रोका

सहारनपुर, संवाददाता। शिवालिक पहाड़ियों में बारिश होने के बाद सिद्धपीठ शाकंभरी देवी की खोल में पानी का तेज बहाव आ गया। हालांकि पुलिस प्रशासन ने पूर्व में ही खराब मौसम के चलते देखते हुए भक्तों को भवन पर जाने से रोक दिया था। बुधवार को सिद्धपीठ की शिवालिक पहाड़ियों में बारिश होने पर रक्तदंतिका मंदिर पर बनी बाढ़ चौकी से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एनाउंसमेंट कर दिया था। शाम साढ़े चार बजे सिद्धपीठ स्थित नदी में पानी का तेज बहाव आ गया। सिद्धपीठ से पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं को पहले ही भेज दिया था। जो श्रद्धालु वहीं पर थे, वह धर्मशालाओं में ही रुक गए थे। पुलिस द्वारा पहले से ही सभी वाहनों को भूरादेव पर ही रोका जा रहा था। श्रद्धालुओं ने बुधवार की सुबह भी पैदल ही मां के दरबार में पहुंचकर मत्था टेका।

राजमिस्त्री ने मालगाड़ी से कटकर दी जान

बांदा, संवाददाता। घर से निकलकर एक अधेड़ व्यक्ति क्योटरा रेलवे क्रॉसिंग के पास जाकर बैठ गया। कई बोगियां गुजरने के बाद वह मालगाड़ी के नीचे जा घुसा। उसकी कटकर मौत हो गई। शहर के नोनिया मोहल्ला निवासी अंतू (50) राजमिस्त्री का काम करता था। बुधवार को सुबह वह अपने घर से निकल आया और क्योटरा रेलवे क्रॉसिंग के पास बैठ कर बीड़ी पीता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसी दौरान वहां से मालगाड़ी गुजरने लगी। कई बोगियां निकल जाने के बाद राजमिस्त्री मालगाड़ी के पहियों के बीच जा घुसा। उसकी कटकर मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन भी रोते–बिलखते मौके पर पहुंच गए। रिश्तेदार लालाराम ने बताया कि अंतू की शादी नहीं हुई थी। छह भाइयों में वह तीसरे नंबर का था और कारीगरी का काम करके वह अपना भरण पोषण करता था। शराब का नशा अधिक करने के कारण उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं रहता था।

आरोपी महिला 20 माह बाद गिरफ्तार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में बिधनू पुलिस ने हत्या के एक मामले में पिछले 20 महीने से फरार चल रही महिला हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला ने रुपये लेने के बाद वापस न लौटाने पर मुंहबोले भांजे के साथ मिलकर मृतक की हत्या कर दी थी। बीते 13 नवंबर 2022 को हत्यारों ने खड़ेसर गांव निवासी परचून दुकानदार कुबेर सिंह (58) की हत्या कर शव को बोरी में भरकर डीप फ्रीजर में बंद कर दिया था। घटना के चार दिन बाद पुलिस ने भतीजे सुरेश की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ऊषा अक्सर कुबेर के खड़ेसर स्थित घर आकर एक–एक महीने रुकती थी। ममेरे भाई शिव सेवक सिंह उर्फ पहलवान और उसकी पैलानी निवासी मुंह बोली विधवा मामी ऊषा का बेंजाडीन टेस्ट कराया, तो दोनों के हाथ पैर में खून पाया गया था।

तीन दोस्तों की नृशंस हत्या

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के चर्चित गुदड़ी बाजार हत्याकांड में फैसले को लेकर हर किसी की निगाहें दिन भर टिकी रही। अदालत ने युवती समेत सभी आरोपियों को दोषी करार दिया है। सजा पर पांच अगस्त को सुनवाई होगी। मृतक तीन बेटों की रूह को आज सुकून मिलेगा तो वहीं पीड़ित परिजनों को इंसाफ की आस है। आज से 16 साल पहले तीन दोस्तों को दोस्ती का वास्ता देकर बुलाया और बड़ी ही बेरहमी से तीनों को बारी बारी से क्रूरता से मौत के घाट उतार दिया। इस वारदात का जब खुलासा हुआ तो शहर में आक्रोश फैल गया था। शहर में हर तरफ आक्रोश था। जांच में सामने आया कि हत्या की वजह एक युवती की मौजूदगी थी। जिसकी वजह से इजलाल ने तीन दोस्तों की जिंदगी को मौत की भेंट चढ़ा दिया। 23 मई, 2008 को बागपत के बालैनी गांव के जंगल में हिंडन नदी के किनारे दिन के पौने बारह बजे एक कार में तीन युवकों की लाश मिली। इनकी पहचान मेरठ कॉलेज के छात्र सुनील ढाका निवासी जागृति विहार, पुनीत गिरि निवासी परीक्षितगढ़ रोड और सुधीर उज्जवल निवासी सिरसली बागपत के रूप में हुई। तीनों युवकों की लाश देखकर जनाक्रोश फैल गया था। मामले की गूंज लखनऊ तक पहुंच चुकी थी। 24 मई को सनसनीखेज खुलासा हुआ कि इन तीन युवकों की हत्या कोतवाली मेरठ के गुदड़ी बाजार में हाजी इजलाल के घर पर हुई थी। पुलिस के अनुसार हाजी इजलाल ने एक युवती के चक्कर में हुए विवाद के चलते अपने साथियों के साथ इस तिहरे हत्याकांड को बड़ी नृशंसता के साथ अंजाम दिया था। मामला दो समुदाय से जुड़ा होने पर शहर में आक्रोश के साथ माहौल तनावपूर्ण हो गया था। हत्याकांड के विरोध में शहर के बाजार बंद रहे। पुलिस ने हाजी इजलाल व उसके चारों भाइयों को जेल भेजा था। हाजी इजलाल के घर में जिस जगह पर इस वारदात को अंजाम दिया गया, वहां सड़क से लेकर चबूतरे तक खून ही खून फैला था। पुलिस मौके पर पहुंचती इससे पहले ही खून साफ कर दिया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी इजलाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कई माह तक कोतवाली के गुदड़ी बाजार से लेकर शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस अलर्ट रही थी। इस हत्याकांड को लेकर मेरठ में चौतरफा हाहाकार मचा हुआ था। छात्र और गैर–राजनीतिक संगठनों ने ऐलान किया कि वे कातिलों को नहीं छोड़ेंगे। हत्यारोपी हाजी इजलाल मीट व्यापारी होने के साथ रसूख वाला था। उसने पुलिस से साठगांठ करने का भी खूब प्रयास किया। सबूत तक खत्म कराकर केस को कमजोर करने की कोशिशें कीं। इस चर्चित हत्याकांड की चार्जशीट दाखिल होने तक पुलिस का इम्तिहान चला।

पति के आत्महत्या करने के 24 घंटे बाद पत्नी की सांप के डसने से मौत

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले में थाना श्रीनगर के बिलखी गांव में पति के आत्महत्या करने के 24 घंटे बाद पत्नी की भी सांप के डसने से मौत हो गई। बहू–बेटे की मौत से सदमे में आई मां अचेत हो गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। गुरुवार की शाम एक साथ दो अर्थियां उठने से हर किसी की आंखें नम हो गईं। बिलखी निवासी देशराज अहिरवार की शादी दो माह पहले दुर्गा (21) के साथ हुई थी। 30 जुलाई की रात देशराज ने मकान के कमरे में फंदे लगाकर जान दे दी थी। पिता धनीराम ने मूंगफली की फसल खराब होने से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होना था। बुधवार रात मृतक की पत्नी दुर्गा घर पर थी। तभी उसे किसी सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 24 घंटे के अंदर बेटे के बाद बहू की मौत से माता–पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां बेटीबाई दहाड़े मारकर रोते हुए कई बार अचेत हो गई। तब परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र श्रीनगर ले गए। जहां इलाज चल रहा है। दोपहर बाद पति–पत्नी के शवों का पोस्टमार्टम होने के बाद शव गांव पहुंचे तो चारों और मातम छा गया। एक साथ दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

सड़क हादसे में दरोगा की मौत

आगरा, संवाददाता। आगरा के थाना फतेहाबाद में तैनात दरोगा रोबिन कुमार की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बेटे की मौत के बाद मां ने बीमा क्लेम ले लिया। पत्नी ने खुद को एकमात्र आश्रित बताते हुए सास के खिलाफ थाना सदर में केस दर्ज कराया है। बुलंदशहर जिले के ग्राम नीमडी भटौना (गुलावठी) निवासी वैशाली तोमर ने केस दर्ज कराया। उन्होंने पुलिस को बताया कि पति रोबिन कुमार फतेहाबाद थाने में तैनात थे। उनकी 16 नवंबर 2020 को डयूटी के दौरान मथुरा के थाना नोहझील क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनका वेतन भारतीय स्टेट बैंक की सदर स्थित शाखा में आता था। पति की मौत के बाद बीमा कंपनी से सैलरी पैकेज के आधार पर क्लेम मिलना था। वह पति की मृतक आश्रित हैं। पुलिस विभाग ने भी बैंक से पत्राचार किया। मगर, क्लेम उन्हें नहीं मिला। बाद में जानकारी हुई कि यूनाइटेड इंश्योरेंस कंपनी से सास मूर्ति देवी ने 7 सितंबर 2021 को क्लेम की धनराशि ले ली है। वैशाली तोमर ने लिखा कि वह पति की एकमात्र नॉमिनी हैं। शादी फरवरी 2015 में हुई थी। पांच साल का एक बेटा है। मामले में धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य संकलन कर कार्रवाई की जाएगी।

कासगंज में मध्याह्न भोजन खाने से 55 बच्चे बीमार, 26 की हालत बिगड़ी मचा हड़कंप

कासगंज, संवाददाता। कासगंज में सुमंत कुमार माहेश्वरी इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को मध्याह्न भोजन खाकर 55 बच्चे बीमार पड़ गए। इनमें से 26 की हालत अधिक बिगड़ गई। भोजन खाते ही बच्चों को उल्टियां होने लगीं। कुछ बच्चे पेट दर्द के कारण कराहने लगे। इससे विद्यालय में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में जिला अस्पताल फोन किया गया। सूचना पर एंबुलेंस और चिकित्सकीय टीम ने तत्काल विद्यालय पहुंचकर प्राथमिक परीक्षण करने के बाद गंभीर हालत वाले 26 बच्चों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार की सुबह विद्यालय में एनजीओ अशरफी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के माध्यम से सुबह 8रू30 बजे मिड–डे–मील योजना के तहत भोजन उपलब्ध कराया गया। भोजन में मसूर की दाल और रोटी दी गई थी। विद्यालय के शिक्षक विनीत माहेश्वरी एवं रसोइया कृष्णा देवी ने चखने के बाद 100 बच्चों का भोजन रसोईघर में रखवा लिया। भोजन जल्द आ जाने पर समय से पहले ही बच्चों का मध्याह्न अवकाश कर दिया और बच्चों को भोजन वितरित किया गया। बच्चों ने जैसे ही भोजन करना शुरू किया उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ बच्चे उल्टी करने लगे तो कुछ बच्चों ने पेट में दर्द की शिकायत बताई। बच्चों की हालत बिगड़ती देख वहां मौजूद स्टाफ में खलबली मच गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डीएस पाल ने तत्काल इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों का परीक्षण शुरू कर आवश्यक दवा उपलब्ध कराई। इस दौरान 26 बच्चों की हालत को गंभीर देखते हुए एंबुलेंस बुलाकर जिला अस्पताल में भेजा गया। इन बच्चों का उपचार किया गया। जानकारी मिलते ही एसडीएम संजीव कुमार, जिला समन्वयक (मध्याह्न भोजन) गौरव सक्सेना, खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार विद्यालय पहुंच गए। विद्यालय पहुंचकर भोजन का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही बच्चों से बातचीत की। एसडीएम संजीव कुमार सहित एडी बेसिक कृपा शंकर, जिला विद्यालय निरीक्षक पीके मौर्य, बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्यप्रताप सिंह ने जिला अस्पताल पहुंच कर बच्चों का हाल जाना।

15 करोड़ का पार्क 1. 15 करोड़ में फ्रीहोल्ड

बांदा, संवाददाता। शहर के वीआईपी इलाके सिविल लाइन, राणा प्रताप चौक के पास स्थित 16 बिस्वा क्षेत्रफल वाले सार्वजनिक पार्क को प्रभावशाली लोगों ने औने–पौने दामों में फ्रीहोल्ड करा लिया। बुधवार को विभिन्न संगठनों के लोगों और नागरिकों ने डीएम को ज्ञापन देकर पार्क को कब्जे से मुक्त कराकर सुंदरीकरण कराने की मांग की। कलक्ट्रेट में डीएम को दिए गए ज्ञापन में बताया कि एलआईसी बिल्डिंग के बगल स्थित सार्वजनिक पार्क को कुछ प्रभावशाली और भूमाफिया ने पिछली सरकार में आवास विकास परिषद की मिलीभगत से फ्रीहोल्ड करा लिया। बोली लगाने की औपचारिकता पूरी करके सिर्फ एक करोड़ 15 लाख में फ्रीहोल्ड करा लिया गया, जबकि यहां की भूमि दर (मालियत) लगभग 32000 रुपये प्रति वर्गमीटर है। पार्क की भूमि की कीमत तकरीबन 15–16 करोड़ रुपये है। ज्ञापन के साथ पार्क से संबंधित अभिलेख भी डीएम को पेश किए। डीएम ने संबंधित पत्रावली मंगवाकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ज्ञापन देने वालों में किसान नेता पुष्पेन्द्र सिंह चुनाले, माकपा मजदूर नेता रामप्रवेश यादव, अनुराग सिंह, इसरार, अनीस, नैनेन्द्र, शबीना आदि शामिल रहे।

शार्ट सर्किट से फैक्टरी में लगी आग, लाखों का नुकसान

कानपुर, संवाददाता। औद्योगिक क्षेत्र रनियां में थर्मोप्लास्ट से दोना पत्तल बनाने वाली फैक्टरी के गोदाम में देर रात शार्ट सर्किट से आग लग गई। लपटें उठती देख रात शिफ्ट में काम कर रहे श्रमिकों में हड़कंप मच गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने से करीब 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। विसायकपुर रोड पर श्याम उद्योग फैक्टरी है। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक के दोना पत्तल बनाने का काम किया जाता है। फैक्टरी दोनों शिफ्टो में संचालित होती है। बुधवार रात करीब दो बजे फैक्टरी के गोदाम एरिया में शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे वहां पर जमा थर्मोप्लास्टिक का कच्चा व तैयार माल जलने लगा। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देख फैक्टरी में काम कर रहे मजदूरों ने प्रबंधन व अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। घटना की सूचना पर कानपुर से फैक्टरी मालिक वैभव गुप्ता व सीएफओ सुरेंद्र सिंह दो दमकल वाहन लेकर मौके पर पहुंचे। जब तक पानी डाल कर आग पर काबू पाया जाता। इससे पहले लोहे की तीन टिनशेड जलकर राख हो गए। इसके अलावा भारी मात्रा में कच्चा व तैयार माल भी जल गया। आग लगने की जानकारी पर रनियां थाने के एसआई मोहित वर्मा भी पुलिस बल के साथ पहुंचे। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 5 बजे आग बुझाई जा सकी। सीएफओ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जिस वक्त फैक्टरी में आग लगी थी, उस समय रात की शिफ्ट चल रही थी। प्रथमदृष्टया आग शार्ट सर्किट से लगना प्रतीत हुई है।

किए गए आकलन के मुताबिक करीब 15 से 20 लाख का नुकसान हुआ है। वहीं प्रबंधन का कहना है कि आग लगने की वजह से अभी ठीक से आकलन नहीं हुआ है। सही आकलन के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

प्रोविजनल एनओसी से चल रही थी फैक्टरी

रनियां। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के दोना पत्तल पर प्रदेश सरकार ने बैन लगा दिया है। फैक्टरी में थर्मोप्लास्ट से दोना पत्तल बन रहे थे। प्रोविजनल एनओसी से फैक्टरी चल रही थी। फैक्टरी की दोनों शिफ्ट में चलती है, घटना के समय करीब 50 मजदूर काम कर रहे थे।

आग के दौरान नहीं चले पानी पंप

रनियां। आग की घटना के बाद फैक्टरी में अफरा तफरी मच गई। मजदूर महिलाएं और पुरुष फैक्टरी गेट से बाहर भागने लगे। इसके बाद पुरुष मजदूर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन फैक्टरी में लगे पानी के पंप चालू ही नही हो सके। इधर दमकल वाहनों के पहुंचने के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

कानूनगो ने गिने रुपये, लेखपाल ने जेब में रखे, किसान से 10 हजार घूस लेते दोनों रंगेहाथ गिरफ्तार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नर्वल तहसील के सरसौल चकबंदी ऑफिस में कार्यरत कानूनगो व लेखपाल को बुधवार सुबह एंटी करप्शन (भ्रष्टाचार निवारण संगठन) की टीम ने किसान से 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ टीम ने महाराजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नर्वल के टीकरभाऊ निवासी नवल किशोर शुक्ला व नंद किशोर शुक्ला ने बताया गांव में चकबंदी चल रही है। उनके पास 21 बीघा खेत हैं। चकबंदी के दौरान साढ़े तीन बीघा जमीन कट रही थी। जमीन कटने से बचाने के लिए जब उन्होंने तहसील में आवेदन किया तो चकबंदी ऑफिस में तैनात कानूनगो विनोद गौतम व लेखपाल सूरज सिंह ने उनसे 30 हजार रुपये रिश्वत मांगी। न देने पर तीन माह से लेखपाल उन्हें परेशान कर रहा था। इसके बाद उन्होंने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। शुरुआती जांच में पुष्टि के बाद एंटी करप्शन की टीम ने कानूनगो और लेखपाल की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया। 10–10 हजार रुपये तीन बार में देने की बात हुई। पीड़ित किसान केमिकल लगे रुपये लेकर कानूनगो के कार्यालय पहुंचे, जहां रुपये लेते समय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों की गिरफ्तारी की सूचना पर थाने में लेखपालों की भीड़ जुटने लगी। इस पर टीम दोनों को साथ लेकर चली गई। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह की तहरीर पर दोनों के खिलाफ महाराजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। गुरुवार को दोनों को लखनऊ की एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया जाएगा।

कानूनगो और लेखपाल को निलंबित कर दिया

कानपुर में सरसौल स्थित सहायक चकबंदी कार्यालय में किसान से 10 हजार रुपये घूस लेते एंटी करप्शन के हाथों पकड़े गए कानूनगो और लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह ने बताया कि कार्यालय पहुंचकर किसान ने 10 हजार रुपये कानूनगो के हाथों में दिए। उसने रुपये गिने और रकम पूरी होने पर बगल में मौजूद लेखपाल सूरज यादव को दे दिए। इसी वजह से दोनों एक साथ लपेटे में आ गए।

कार्रवाई के बाद एंटी करप्शन ने चकबंदी कार्यालय में डाला ताला, कब्जे में लिए अभिलेख

दोनों की गिरफ्तारी के बाद एंटी करप्शन की टीम ने कानूनगो व लेखपाल के पास मौजूद चकबंदी से संबंधित सभी रजिस्टर व अभिलेख अपने कब्जे में ले लिए और कार्यालय में ताला डाल दिया। लेखपाल की कार व कानूनगो की बाइक भी थाने लाकर सीज कर दी गई। पीड़ित नवल किशोर ने बताया कि पिछले तीन माह से पैमाइश करने व चक काटने के नाम पर लेखपाल सूरज यादव 30 हजार रुपये मांग रहा था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।